

प्रकार की स्थितियों से गुजरना 4. परिवर्तित दशा भौ. प्रकाश का अपारदर्शी वस्तुओं के किनारों पर या तंग रेखाछिद्रों से गुजरने पर अथवा रेखज पृष्ठों से परावर्तित किए जाने पर उसमें होने वाला अंशांतरण, इसमें किरणों विक्षेपित प्रतीती होती है ऐसा ही अंशांतरण ध्वनि तरंगों आदि में भी होता है। defraction

**विवर्तवाद** पुं. (तत्.) दर्शन. अद्वैत वेदांत का यह सिद्धांत कि यह जगत ब्रह्म का विवर्त है अर्थात् भ्रांतिजन्य प्रतीति है, ब्रह्म का रूपांतर नहीं लेकिन भ्रमवश ऐसा लगता है जैसे- सीप में रजत और रज्जु (रस्सी) में सर्प की प्रतीति मात्र होती है, वैसे ही जगत का आभास मात्र होता है, यानी वस्तुतः जगत मिथ्या है। केवल एक ब्रह्म ही सत्य है।

**विवर्तित** वि. (तत्.) घूमा अथवा घुमाया हुआ, चक्कर खाया हुआ, परिवर्तित, स्थान-भ्रष्ट, खंडित, उन्मीलित, सिकोड़ा हुआ।

**विवर्धन** पुं. (तत्.) 1. वृद्धि, बढ़त, उन्नति 2. किसी सिद्धांत, विचार आदि को बढ़ाने के लिए किए गए प्रयास 3. अत्यधिक समृद्धि राज. अपने गौरव भौगोलिक स्वरूप और संसाधनों को बढ़ाने के लिए किसी देश की अन्य देशों पर प्रभुत्व बढ़ाने की प्रवृत्ति अथवा नीति।

**विवल्कीभवन** पुं. (तत्.) वन. वृक्ष आदि की छाल का स्वतः अथवा किसी अन्य कारण से हट जाना, छाल का उतर जाना।

**विवश** वि. (तत्.) जो परिस्थितियों के कारण कुछ अनिच्छित, अवांछित कार्य करने के लिए बाध्य हो, जिसका परिस्थितियों पर वश न हो, बेबस, लाचार, मजबूर 2. जो स्वयं को अपने वश में न रख सके जैसे- काम से विवश 3. जो किसी अन्य के वश में हो, असहाय, परवश, पराधीन, लाचार।

**विवशता** स्त्री. (तत्.) विवश होने की स्थिति अथवा भाव, बेबसी, लाचारी, मजबूरी, बाध्यता।

**विवस** पुं. (तत्.) दे. विवश।

**विवसन** वि. (तत्.) जो कोई वस्त्र न पहने हो, नंगा, वस्त्रहीन, नग्न, विवस्त्र।

**विवस्त** पुं. (तत्.) 1. सूर्य 2. अरुण का नाम 3. देव 4. अर्क का पौधा, मदार 4. कश्यप और अदिति के 12 पुत्रों (आदित्यों) में से एक, इनके दो पुत्र हुए 'यम' और 'मनु' वैवस्वत मनु।

**विवस्त्र** वि. (तत्.) जिसके शरीर पर वस्त्र न हो, वस्त्रहीन, नंगा।

**विवस्वान** पुं. (तत्.) 1. सूर्य, सूर्य का सारथि अरुण 2. अर्क, मदार का वृक्ष 3. देवता 4. एक दैत्य।

**विवाचक** पुं. (तत्.) दो पंथों के बीच के विवाद को सुलझाने के लिए नियुक्त व्यक्ति, मध्यस्थ, पंच।

**विवाचन** पुं. (तत्.) दो पक्षों के बीच के विवाद को सुलझाने की प्रक्रिया, मध्यस्थता।

**विवाद** पुं. (तत्.) किसी विषय, सिद्धांत या बात को लेकर वाक्कलह, वाग्युद्ध, झगड़ा 2. खंडन, प्रतिवाद 3. मुकदमा, अभियोग।

**विवादक** वि. (तत्.) झगड़ा करने वाला, विवाद बढ़ाने वाला, झगड़ालू, मुकदमेबाज।

**विवादार्थी** वि. (तत्.) अनावश्यक विवाद/झगड़ा करने वाला पुं. मुकदमा लड़ने वाला, वादी, मुद्दयी।

**विवादास्पद** वि. (तत्.) जिस स्थान, विषय अथवा वस्तु को लेकर कोई विवाद हो, विवाद का, विवाद के योग्य।

**विवादी** वि. (तत्.) 1. कलह करने वाला, झगड़ालू, झगड़ने वाला 2. मुकदमे बाज।

**विवादी स्वर** पुं. (तत्.) संगी. किसी राग में प्रयुक्त न होने वाला स्वर, इसे राग रूपी राजा का शत्रु कहा जाता है, किंतु रंजकता बढ़ाने के लिए कभी-कभी कुशल गायक-वादक विवादीस्वर का क्षणिक प्रयोग कर लेता है विलो. वादीस्वर।